अभ्यास पत्रक

पाठ: 1 - स्वदेश

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) कवि के अनुसार, जिस हृदय में स्वदेश का प्यार नहीं है, वह क्या है?

(क) पत्थर (ख) कोमल (ग) विशाल (घ) बीमार

(ii) जिस जीवन में जीवित जोश न जगाया जा सके, वह जीवन कैसा है?

(क) सफल (ख) खुशहाल (ग) सारहीन (घ) अमर

(iii) "हम हैं जिसके राजा-रानी" - इस पंक्ति में 'हम' शब्द किसके लिए प्रयोग हुआ है?

(क) देश के नेताओं के लिए (ख) देश के सैनिकों के लिए

(ग) देश के सभी नागरिकों के लिए (घ) देश के कवियों के लिए

(iv) जो व्यक्ति साहस छोड़ देता है, वह कहाँ नहीं पहुँच सकता?

(क) घर (ख) पार (लक्ष्य तक) (ग) संसार (घ) स्वदेश

(v) यह कविता किस कवि द्वारा रची गई है?

(क) सोहनलाल द्विवेदी (ख) मीराबाई

(ग) आरसी प्रसाद सिंह (घ) गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) किस व्यक्ति का संसार में कोई स्थान नहीं होता?

उत्तर- .....

(ii) कवि के अनुसार किस व्यक्ति का उद्धार नहीं हो सकता?

उत्तर- .....

(iii) हमें दाना-पानी किस मिट्टी से मिला है?

उत्तर- .....

(iv) देश ने हमें कैसे रत्न दिए हैं?

उत्तर- .....

(v) जिस व्यक्ति का हृदय अपने देश के लिए नहीं पसीजता, उसे कवि ने क्या कहा है?

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) कवि ने हृदय को पत्थर के समान कब कहा है? कविता की पहली और आखिरी पंक्ति के आधार पर बताइए।

उत्तर- .....

.....

(ii) कविता में देश द्वारा हमें दी गई किन-किन चीजों का उल्लेख है?

उत्तर- .....

.....

(iii) "जिस पर ज्ञानी भी मरते हैं, जिस पर है दुनिया दीवानी।" - इन पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) कविता की पहली आठ पंक्तियों के आधार पर बताइए कि एक सार्थक जीवन के लिए किन-किन गुणों का होना आवश्यक है और किन अवगुणों से जीवन निरर्थक हो जाता है?

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 1)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (क) पत्थर

(ii) (ग) सारहीन

(iii) (ग) देश के सभी नागरिकों के लिए

(iv) (ख) पार (लक्ष्य तक)

(v) (घ) गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'

2. एक वाक्य में उत्तर:

(i) जो व्यक्ति संसार के साथ कदम से कदम मिलाकर नहीं चल पाता, संसार में उसका कोई स्थान नहीं होता।

(ii) कवि के अनुसार जिस व्यक्ति से अपनी जाति (राष्ट्र/समाज) का उद्धार न हुआ हो, उसका स्वयं का उद्धार नहीं हो सकता।

(iii) हमें अपनी स्वदेश की मिट्टी से ही दाना-पानी मिला है।

(iv) देश ने हमें लाजवाब (लासानी) नव रत्न दिए हैं।

(v) जिस व्यक्ति हृदय अपने देश के लिए नहीं पसीजता, उसे कवि ने धरती का भार (भू का भार) कहा है।

3. संक्षिप्त उत्तर:

(i) कवि ने हृदय को पत्थर के समान तब कहा है जब उसमें भावों की रस-धार नहीं बहती और विशेष रूप से जब उसमें अपने देश (स्वदेश) के प्रति प्रेम का भाव नहीं होता।

(ii) कविता में देश द्वारा हमें दी गई चीजों का उल्लेख है: इसी मिट्टी में हम उगे-बढ़े, यहीं हमें अन्न-जल मिला, यहीं हमारे माता-पिता और बंधु-बांधव हैं, और देश ने हमें अनमोल खजाने और लाजवाब रत्न दिए हैं।

(iii) इन पंक्तियों भाव है कि हमारा देश इतना महान और अद्भुत है कि ज्ञानी पुरुष भी इस पर अपना जीवन न्योछावर कर देते हैं और सारी दुनिया इसकी विशेषताओं और ज्ञान-संपदा पर मोहित है।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर:

(i) कविता की पहली आठ पंक्तियों के अनुसार एक सार्थक जीवन के लिए निम्नलिखित गुण आवश्यक हैं:

- **स्वदेश प्रेम:** हृदय में अपने देश के लिए प्यार होना सबसे महत्वपूर्ण है।
- **जोश और उत्साह:** जीवन में ऐसा जोश होना चाहिए जो दूसरों को भी प्रेरित कर सके।
- **साहस:** किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए साहस का होना अनिवार्य है।
- **सामूहिकता:** व्यक्ति को संसार के साथ मिलकर चलना चाहिए।
- **परोपकार:** व्यक्ति में अपने समाज या राष्ट्र के उद्धार की भावना होनी चाहिए। इनके विपरीत, निम्नलिखित अवगुणों से जीवन निरर्थक हो जाता है:
- स्वदेश प्रेम का अभाव।
- जोश और प्रेरणा की कमी।
- साहस छोड़ देना।
- समाज से कटकर अकेले चलना।
- केवल अपने स्वार्थ के बारे में सोचना और जाति-उद्धार की भावना न रखना।